ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-08-2026

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-08-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-08-26	2026-08-27	2026-08-28	2026-08-29	2026-08-30
वर्षा (मिमी)	7.0	5.0	8.0	8.0	5.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	31.0	30.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	25.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	93	91	91	92
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	69	66	60	66	66
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	13	5	5	8	7
पवन दिशा (डिग्री)	115	172	222	307	335
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	6	7	8
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले तीन दिनों में, कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, कांके, रांची में 120.2 मि.मी. बारिश दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 32.5-35.3°C और न्यूनतम तापमान 21.7-22.3°C के बीच रहा। सापेक्ष आर्द्रता 72-90% के बीच रही। हवा की गति 2.2-3.3 किमी/घंटा रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में हल्की से मध्यम बारिश होने और आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30-31°C और न्यूनतम तापमान 25.0°C के बीच रह सकता है। सापेक्ष आर्द्रता 60-95% के बीच रहेगी और हवा की गति 5-13 किमी प्रति घंटा के साथ हल्की से मध्यम रहेगी।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

26 से 30 अगस्त के बीच भारी बारिश, बिजली कड़कने के साथ आंधी-तूफान और ज़ोरदार सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

तेज़ हवाओं के कारण मक्का और अरहर जैसी खड़ी फ़सलों के गिरने और सब्ज़ी वाली फ़सलों के फल झड़ने की आशंका है।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना को देखते हुए, किसान भाई आगामी 5 दिनों में सिंचाई, अंतर-कृषि संचालन और खड़ी फसलों में पौध संरक्षण उपायों और उर्वरकों के प्रयोग को स्थगित कर देना चाहिए। कटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। बारिश से बचाने के लिए सब्जियों के पौधों को पॉलिथीन से ढक दें। बारिश और बादल की स्थिति से खड़ी फसलों में रोग का प्रकोप बढ़ सकता है, इसलिए किसानों को इसकी निरंतर निगरानी रखनी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

अधिक आर्द्रता और लगातार वर्षा से रागी में ब्लास्ट रोग का प्रकोप बढ़ सकता है। अधिक नत्रजन से बचें और लक्षण दिखने पर ट्राइसाइक्लाजोल 75% WP @ 1 ग्राम/लीटर पानी छिड़कें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	समय पर बोया गया धान बालियां निकलने की अवस्था में है, अत: खरपतवार हटा दें तथा बौनी किस्म के धान के लिए 40 किलोग्राम यूरिया और संकर किस्म के धान के लिए 45 किलोग्राम यूरिया का छिड़काव करें। मौसम में बदलाव से ब्लास्ट रोग का प्रकोप बढ़ सकते है। इसके बचाव के लिए 10 लीटर पानी में 1 ग्राम बाविस्टिन 50 डब्लूपी या 6 ग्राम बीम (ट्राईसाइक्लाजोल) मिलाकर छिड़काव करें। तापमान बढ़ने से कीड़ों की संख्या में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है. इसलिए क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी की एक लीटर मात्रा को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ दो बार छिड़काव करें।
चावल	30 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान और लगातार वर्षा से धान की फसल में तना छेदक का संक्रमण हो सकता है, इसे नियंत्रित करने के लिए एजाडिरेक्टिन 0.15% ईसी @ 800 मिली/एकड़ या कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी @ 10 किग्रा/एकड़ का प्रयोग करें।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	अरहर की फसल में पानी से भरी मिट्टी और बारिश, तने या जड़ की सड़न को तेज़ी से बढ़ने और फैलने में मदद करती है। खेत में पानी जमा न होने दें। बीमारी को एक ही जगह तक सीमित रखने के लिए, प्रभावित या शुरुआती मुरझापन वाले पौधों की जड़ों के पास कार्बेन्डाज़िम (1 ग्राम प्रति लीटर पानी) का घोल डालें।
चना	जो किसान कुलथी की खेती करना चाहते हैं वे इसकी उन्नत किस्म इन्दिरा कुलथी-1, भी.एल.जी.-19 या बिरसा कुलथी-1 में से किसी एक किस्म की बोआई करें | एक एकड़ में बोआई के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। खेत तैयार करने के लिए 2 से 3 बार देसी हल से खेत की अच्छी तरह जुताई करके पाटा चला दें। इस फसल के लिए उपपरि ज़मीन का चुनाव करे जिसमे जल जमाव की स्तिथी न हो। बाद बीज को हल के पीछे कतार में 30 सेंटीमीटर (कतार से कतार) तथा 15 सेंटीमीटर (पौधा से पौधा) की दूरी पर बोयें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	किसान भाई इस समय फूलगोभी या पत्तागोभी के बीज गिरा सकते है। गोबर की खाद 80 से 100 किलोग्राम प्रति एकड़, यूरिया 105 किलोग्राम, 150 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ के दर से डालें। फूलगोभी की उन्नत किस्में - पूसा कटकी, पूसा दीपाली, पूसा हिमज्योति, पंत सुभ्रा 4; पत्तागोभी की उन्नत किस्में - गोल्डन एकर, अर्ली ड्रमहेड, प्राइड ऑफ़ इंडिया 2, लेट ड्रमहेड।
बैंगन	बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए, मिर्च और बैंगन में फल सड़न का प्रकोप होने की संभावना है। यदि दिखाई दे, तो कार्बेन्डाजिम 50% WP @ 2 ग्राम/लीटर पानी या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50% WP @ 3 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव करें। यदि आवश्यक हो, तो 15 दिनों के अंतराल पर दूसरा और तीसरा छिड़काव करें। छिड़काव साफ़ मौसम देख कर ही करें।
टमाटर	टमाटर की फसलों मे पीला मोजेक विषाणु के प्रकोप देखे जा रहें है। इसमे टमाटर की पत्तियाँ सिकुड़ने लगती है तथा पत्तियों मे पीला रंग दिखाई देने लगता है। यह सफेद साफे मक्खी के द्वारा फैलता है। इसके

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	लिए किसान भाई चिपचिपा जाल 3 से 5 प्रति एकड़ के दर से खेतों मे लगाएँ। संक्रमित पौधो को उखाड़ कर फेक दें, जिससे ये बाकी फसलों पर ना फ़ेल पाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्षा एवं उमस के मौसम में पशुओं के बाड़े की साफ-सफाई एवं जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें। पशुओं को सूखा एवं हवादार स्थान पर रखें तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएं। मच्छर, मक्खी एवं परजीवी नियंत्रण के लिए नियमित रूप से पशुओं एवं बाड़े की निगरानी करें। पशुओं को गलाघोंटू, लंगड़ा बुखार एवं अन्य प्रचलित संक्रामक रोगों के विरुद्ध समय पर टीकाकरण कराएं। बीमार पशु को स्वस्थ पशुओं से अलग रखें और लक्षण दिखाई देने पर पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

तूफ़ान और बिजली कड़कने के दौरान पेड़ों के नीचे शरण न लें, खुले मैदानों या जलाशयों के पास न रहें, बिजली या धातु की चीज़ों को न छुएं, तार वाले बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल न करें और ज़मीन पर सपाट न लेटें।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

सुरक्षित जगह पर शरण लें; पेड़ों, पानी, पहाड़ियों, धातु की चीज़ों और बिजली की लाइनों से दूर रहें। घर के अंदर रहें और हो सके तो यात्रा न करें। अगर किसान खेत में हैं और उन्हें कोई शरण नहीं मिल रही है, तो उस इलाके की सबसे ऊंची चीज़ से दूर रहें।

Farmers are advised to download Unified �Mausam� and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details